बहुजन हिताय! बहुजन सुखाय!

सक्षम भारत

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक | इन्द्रजीत सिंह, मुख्य संवाददाता/सचिव, CNSI-Delhi

दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश से प्रसारित

www.sakshambharat;net, E-mail : saksham.bharat@hotmail.com

Member : CENTRAL NEWSPAPER SOCIETY OF INDIA DELHI

● वर्ष: 24 ● अंक: 182 ● नई दिल्ली ● मंगलवार 05 मई 2026 ● प्रभात कालीन ● मूल्य: 3 रूपया ● पृष्ठ: 4

इंजीनियर रशीद की जमानत शर्तों में बदलाव की अर्जी पर दिल्ली हाई कोर्ट ने एनआईए से मांगा जवाब

नई दिल्ली। अंतरिम जमानत की शर्तों में संशोधन की मांग वाली आतंकी फंडिंग मामले में आरोपित व सांसद इंजीनियर रशीद की अर्जी पर दिल्ली हाई कोर्ट ने राष्ट्रीय जांच एजेंसी से जवाब मांगा है। रशीद ने अर्जी दायर कर कहा है कि पूर्व आदेश में अदालत ने उन्हें श्रीनगर में रहने का आदेश दिया है, जबकि उनके पिता का स्वास्थ्य खराब होने पर उन्हें एम्स दिल्ली में भर्ती कराया गया है। ऐसे में उन्हें शर्तों में बदलाव कर उन्हें दिल्ली में रहने की अनुमति दी जाए। याचिका पर अदालत ने एनआइए को नोटिस जारी कर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है।

रिपब्लिकन मजदूर संगठन के सदस्य बनें

E-mail : rmsdp@hotmail.com

अनागरिक गीता भारती भवन
बी-2/370, सुल्तानपुरी
दिल्ली-86

अमित शाह की चुनावी रणनीति को मात देना आसान नहीं, उन्हें भारतीय राजनीति का चाणक्य यूँ ही नहीं कहा जाता

नई दिल्ली। अमित शाह को यूँ ही आधुनिक भारतीय राजनीति का चाणक्य नहीं कहा जाता। वह जिस राय में अंगद की तरह पैर जमा कर बैठ जाते हैं वहां भाजपा की प्रचंड विजय सुनिश्चित कर देते हैं। पश्चिम बंगाल में कोई सोच नहीं सकता था कि टीएमसी और ममता बनर्जी की सरकार चली जायेगी लेकिन अमित शाह ने जो संकल्प ले लिया तो उसे सिद्ध होने से कोई रोक नहीं सकता। अमित शाह की चुनावी रणनीति को कोई भेद नहीं सकता और अमित शाह को चुनौती देने वाला ही आखिरकार घुटने टेकने पर मजबूर होता है यह बंगाल चुनावों ने दिखा दिया। टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी, पार्टी महासचिव अभिषेक बनर्जी, टीएमसी सांसद डेरेक ओब्रायन और महुआ मित्रा ने अमित शाह को चुनाव प्रचार के दौरान तमाम तरह की चुनौतियां दीं लेकिन चुनाव परिणाम ने दर्शा दिया कि अमित शाह चुनौतियों को भी चुनौती देने वाली शख्सियत हैं। हम आपको बता दें कि दोपहर करीब 12:30 बजे जैसे ही घड़ी ने दस्तक दी, सोशल मीडिया पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का एक पुराना वीडियो अचानक वायरल हो गया। इस वीडियो में उन्होंने चुनावी रुझानों को लेकर जो समय और संकेत दिए थे, वे मौजूदा परिस्थितियों से एकदम मेल खा रहे थे। जैसे-जैसे मतगणना आगे बढ़ी, 'कमल' के खिलने की संभावना ने इस वीडियो को चर्चा के केंद्र में ला खड़ा किया है। वीडियो लग जायेगा। देखा जाये तो पश्चिम बंगाल में भाजपा की इस प्रचंड सफलता के केंद्र में अमित शाह की रणनीति और नेतृत्व को निर्णायक माना जा रहा है। इस चुनाव में उन्होंने केवल एक स्टार प्रचारक की भूमिका नहीं निभाई, बल्कि पूरे अभियान के मुख्य रणनीतिकार के रूप में कार्य किया। यह जीत सिर्फ एक लहर का परिणाम नहीं, बल्कि महीनों की सूक्ष्म योजना,

संगठनात्मक मजबूती और जमीनी स्तर पर किए गए सतत प्रयासों का फल भी है। इस चुनाव में कई ऐसे चेहरे भी उभरकर सामने आए हैं, जिन्हें साइलेंट हीरो कहा जा रहा है। शुभेन्दु अधिकारी और दिलीप घोष जैसे स्थानीय नेताओं को आगे बढ़ाने की रणनीति ने भाजपा को मजबूत आधार दिया। इसके साथ ही मंगल पाण्डेय को राय प्रभारी बनाना भी एक सोचा-समझा कदम था। इन सबके पीछे अमित शाह की स्पष्ट रणनीतिक सोच काम कर रही थी, जिसमें स्थानीय नेतृत्व को प्राथमिकता देना शामिल था। रणनीतिक स्तर पर केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव की भूमिका भी बेहद अहम रही। हरियाणा और महाराष्ट्र के बाद बंगाल में भी उन्होंने अपनी चुनावी समझ और प्रबंधन क्षमता का प्रभाव छोड़ा। इसी तरह संगठन को मजबूत बनाने में सुनील बंसल और बिप्लब कुमार देब ने भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। ये सभी नेता सीधे शीर्ष नेतृत्व के संपर्क में रहकर काम कर रहे थे, जिससे रणनीति और क्रियान्वयन के बीच तालमेल बना रहा। चुनाव के दौरान अमित शाह का लगभग 15 दिनों तक पश्चिम बंगाल में डेरा जमाए रखना भी एक बड़ा फैक्टर रहा। उन्होंने बूथ स्तर तक संगठन को सक्रिय करने पर जोर दिया और कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा भरने का काम किया। साथ ही भाजपा ने अपने संगठनात्मक ढांचे का पुनर्गठन करते हुए उन क्षेत्रों में भी पैठ बनाई, जहां पहले उसकी मौजूदगी सीमित थी। मुद्दों की बात करें तो भाजपा ने कानून-व्यवस्था, राजनीतिक हिंसा और भ्रष्टाचार जैसे विषयों को प्रमुखता से उठाया। घुसपैठ और नागरिकता संशोधन कानून (ट्ट) को भी चुनावी विमर्श के केंद्र में रखा गया। पार्टी ने दावा किया कि राय में अवैध घुसपैठ एक गंभीर समस्या है, जिसे नियंत्रित करना आवश्यक है। साथ ही, यह वादा भी किया गया कि सत्ता में आने पर ट्ट को लागू किया जाएगा और सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ किया जाएगा। महिलाओं की सुरक्षा का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया।

अमित शाह ने तृणमूल कांग्रेस सरकार पर कट-मनी, भ्रष्टाचार और खराब शासन के आरोप लगाते हुए यह संदेश देने की कोशिश की कि राय में बदलाव की जरूरत है। उन्होंने विकास, निवेश और रोजगार के नए अवसरों का वादा कर मतदाताओं को आकर्षित किया। बहरहाल, अमित शाह के बारे में कहा जा सकता है कि उन्होंने जिस शिद्दत के साथ बंगाल में मेहनत की और खुद पूरे चुनाव अभियान का नेतृत्व किया उससे समय रहते चूक या गलतियों की संभावनाएं खत्म हो गयीं और आजादी के बाद पहली बार पश्चिम बंगाल में भगवा राज आ गया।

दिल्ली में बंगाल जीत का जश्नः सीएम रेखा ने की झलमूरी-रसगुल्ला पार्टी, बोलीं- हर राय भगवा रंग में रंग रहा

नई दिल्ली ।दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा की शानदार जीत का जश्न मनाया। उन्होंने अपने कार्यालय में झलमूरी और रसगुल्ला खाकर इस जीत का उत्सव मनाया। मुख्यमंत्री गुप्ता के साथ उनके मंत्रिमंडल के सहयोगी भी दिल्ली सचिवालय में मौजूद थे।

हर राय भगवा रंग में रंग रहा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल चुनाव अभियान के दौरान झलमूरी को लोकप्रिय बनाया था।

मुख्यमंत्री गुप्ता ने एक्स पर एक बधाई संदेश भी साझा किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश का हर राय भगवा रंग में रंग रहा है। असम में हैट्रिक जीत के साथ बंगाल में भी भाजपा सरकार बनी है। उन्होंने इस शानदार जीत पर हार्दिक बधाई दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि वे झलमूरी और रसगुल्ला के साथ जीत का जश्न मना

रही है। इससे पहले, मुख्यमंत्री गुप्ता ने बंगाल में भाजपा के स्टार प्रचारकों के साथ मिलकर मतदाताओं को लुभाया था। उन्होंने 294 सीटों के लिए हुए दो चरणों के चुनाव में उत्साहपूर्वक प्रचार किया।

बंगाल में मुख्यमंत्री का चुनाव प्रचार

मुख्यमंत्री गुप्ता ने खड़गपुर और दुर्गापुर सहित कई क्षेत्रों में भाजपा उम्मीदवारों के लिए प्रचार किया। उन्होंने ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल सरकार के आतंक आधारित शासन पर प्रकाश डाला। दुर्गापुर में उन्होंने एक चाय की दुकान पर जाकर महिला मालिक से बातचीत की। कोलकाता में उनके सड़क शो के दौरान कथित तौर पर स्ट्रीट लाइट बंद करने वाले टीएमसी कार्यकर्ताओं पर भी उन्होंने निशाना साधा। यह घटना उनके कार्यक्रम को बाधित करने के प्रयास में हुई थी।

बदलाव की उम्मीद और महिलाओं की सुरक्षा

अपने एक चुनावी भाषण में उन्होंने कहा था कि बंगाल का हर निवासी बदलाव के लिए दृढ़ संकल्पित है। उन्होंने कहा कि लोगों ने 15 साल की डर और धमकी वाली राजनीति को सहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बार लोग बंगाल में कमल के निशान वाली सरकार लाने को तैयार हैं। उन्होंने तृणमूल कांग्रेस प्रशासन की आलोचना करते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल कई वर्षों से कठिन स्थिति में है। उन्होंने महिलाओं की सुरक्षा पर चिंता जताई और डर के माहौल का आरोप लगाया।

पारदी गैंग के छह बदमाश मुठभेड़ में गिरफ्तार, तीन को लगी गोली; व्यापारी के घर की थी बड़ी चोरी

नई दिल्ली।

दक्षिण दिल्ली पुलिस के वाहन चोरी निरोधक दस्ते ने मध्य प्रदेश के कुख्यात पारदी गैंग के छह सदस्यों को एक मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। चिराग दिल्ली के पास जहांपनाह फॉरेस्ट में हुई इस गोलीबारी में गिरोह के तीन बदमाश घायल हो गए, जिन्हें एम्स के ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया है। यह गैंग हाल ही में मालवीय नगर में एक व्यापारी के घर हुई लाखों की चोरी और जेवर लूट की वारदात में शामिल था। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि पारदी गैंग के सदस्य जहांपनाह फॉरेस्ट इलाके में छिपे हुए हैं और किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में हैं। सूचना के आधार पर पुलिस की एक टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए इलाके को घेर लिया। जब पुलिस ने बदमाशों को आत्मसमर्पण करने को कहा तो उन्होंने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोली चलाई, जिसमें गिरोह के तीन सदस्य घायल हो गए। पकड़े गए बदमाशों से पूछताछ में कई अन्य वारदातों का खुलासा होने की उम्मीद है। यह पारदी गैंग कुछ दिन पहले मालवीय नगर में एक व्यापारी के घर में घुसकर लाखों रुपये नकद और कीमती जेवर लूटने की वारदात को अंजाम देकर फरार हो गया था। इस घटना से व्यापारियों में खासा रोष था और पुलिस पर जल्द से जल्द गिरोह को पकड़ने का दबाव था। दक्षिण जिला पुलिस के वाहन चोरी निरोधक दस्ते ने अपनी सक्रियता और सटीक मुखबिरी के बल पर इस गैंग का पर्दाफाश कर दिया।

बंगाल और असम में बीजेपी की जीत पर स्वाति मालीवाल का बड़ा बयान, दशकों से चल रही गुंडागर्दी

नई दिल्ली।

स्वाति मालीवाल ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट साझा करते हुए दावा किया कि पश्चिम बंगाल में बीजेपी ऐतिहासिक और बड़ी जीत की ओर बढ़ रही है. उन्होंने कहा कि लंबे समय से चली आ रही हिंसा, गुंडागर्दी और वोट बैंक की राजनीति अब समाप्त होने वाली है और जनता बदलाव चाहती है. मालीवाल के अनुसार, चुनावी माहौल और रुझान यह संकेत दे रहे हैं कि लोगों का भरोसा बीजेपी की ओर बढ़ा है. उन्होंने यह भी कहा कि यह बदलाव राय की राजनीति में एक नए दौर की शुरुआत कर सकता है, जिससे विकास और स्थिरता को बढ़ावा मिलेगा. स्वाति मालीवाल ने अपने बयान में असम और पुडुचेरी का भी जिक्र किया. उन्होंने कहा कि इन राज्यों में भी बीजेपी और एनडीए शानदार प्रदर्शन के साथ दोबारा सरकार बनाने जा रहे हैं. उनके अनुसार, चुनावी रुझान यह संकेत दे रहे हैं कि जनता ने बीजेपी के नेतृत्व पर भरोसा जताया है. अपने संदेश में उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन सहित पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं को इस सफलता के लिए बधाई और शुभकामनाएं दीं. स्वाति मालीवाल ने कहा कि यह जीत बीजेपी कार्यकर्ताओं की मेहनत और समर्पण का परिणाम है. मालीवाल के इस बयान को चुनावी माहौल के बीच बीजेपी के आत्मविश्वास और जीत के दावे के रूप में देखा जा रहा है, जिससे राजनीतिक चर्चाएं और तेज हो गई हैं.

दिल्ली-एनसीआर में तेज हवाओं के साथ कई जगह बारिश, यलो अलर्ट जारी; अगले दो दिन गिरेंगी राहत की बौछारें

नई दिल्ली ।दिल्ली-एनसीआर में कई जगह हुई बारिश-बूंदाबांदी ने शाम की गर्म हवाओं की तासीर बदल दी है। रात 12 बजे के आसपास शुरू हुई बारिश ने एक बार फिर गर्मी पर विराम लगाने का काम किया है। मौसम विभाग ने रविवार के लिए बारिश का अनुमान जताया भी था। आज के लिए यलो अलर्ट भी जारी है। दिल्ली-एनसीआर में देर रात शुरू हुआ बारिश का सिलसिला तेज हवाओं के साथ जारी है। नोएडा में बारिश के साथ बिजली भी चमक रही है। दिल्ली-एनसीआर के मौसम में देर रात अचानक बदलाव देखने को मिला। राष्ट्रीय राजधानी के कुछ हिस्सों में तेज हवाएं चल रही हैं। एनसीआर में बारिश भी हुई। दिल्ली के कुछ हिस्सों में मध्यम (हवा की गति 50-60 किमी प्रति घंटा, 70 किमी प्रति घंटा तक के झोंके) से लेकर गंभीर गरज के साथ तूफान (हवा की गति 60-70 किमी

प्रति घंटा, 80 किमी प्रति घंटा तक के झोंके) आने की संभावना है, साथ ही बिजली गिरने, ओलावृष्टि और तेज आंधी के साथ मध्यम बारिश भी हो सकती है। मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले तीन दिन के दौरान अधिकतम तापमान में 3-5 गिरावट और उसके बाद 3-5 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी होगी। साथ ही, पिछले 24 घंटों में दिल्ली में दक्षिण-पूर्वी हवाएं 10-15 किमी प्रतिघंटा की गति से चलीं, जो बढ़कर किमी प्रतिघंटा तक पहुंच गईं। दिल्ली में 4 से 9 मई के बीच मौसम में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। 4 मई को अधिकतम तापमान 32-34 डिग्री और न्यूनतम 23-25 डिग्री के बीच रहने की संभावना है, दिनभर बादल छाए रहेंगे और सुबह व दोपहर व शाम के समय हल्की बारिश के साथ गरज-चमक और तेज हवाएं 60-70 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से चल सकती हैं। इसको लेकर मौसम विभाग ने बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है।

वहीं, 5 मई को भी बादल छाए रहेंगे और सुबह से दोपहर के बीच हल्की बारिश के एक-दो दौर आ सकते हैं, हालांकि हवाओं की रफ्तार अपेक्षाकृत कम रहेगी। 6 मई को तापमान बढ़कर 36-38 डिग्री तक पहुंच सकता है, आंशिक बादलों के बीच दोपहर में गरज के साथ मौसम बदलने की संभावना है। इसके अलावा, 7 और 8 मई को मौसम सामान्यतः आंशिक रूप से बादलों से ढका रहेगा और तापमान 37-39 डिग्री के आसपास बना रहेगा। वहीं, 9 मई को मौसम साफ रहने के साथ गर्मी बढ़ेगी और अधिकतम तापमान 38-40 डिग्री तक पहुंच सकता है।

अर्थव्यवस्था को मिली रफ्तार

भारत में आधारभूत संरचना के विकास को लंबे समय से आर्थिक प्रगति की रीढ़ माना जाता रहा है, और इसी सोच के तहत शुरू की गई भारतमाला परियोजना आज देश की सबसे महत्वपूर्ण योजनाओं में गिनी जा रही है। हाल ही में संसद में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी द्वारा दी गई जानकारी इस बात की पुष्टि करती है कि भारत का राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क न केवल तेजी से विस्तार कर रहा है, बल्कि उसकी गुणवत्ता और दक्षता में भी उल्लेखनीय सुधार हुआ है। भारतमाला परियोजना का मुख्य उद्देश्य देश में सड़क नेटवर्क को इस प्रकार विकसित करना है कि आर्थिक गतिविधियों को गति मिल सके, लॉजिस्टिक्स लागत कम हो और दूरदराज के क्षेत्रों को मुख्यधारा से जोड़ा जा सके। इस परियोजना के पहले चरण में 34,800 किलोमीटर सड़कों के निर्माण का लक्ष्य रखा गया था। सरकार के अनुसार, इस लक्ष्य के तहत अब तक 26,425 किलोमीटर लंबाई के 796 प्रोजेक्ट्स को स्वीकृत किया जा चुका है, जिनमें से 21,248 किलोमीटर सड़कों का निर्माण सितंबर 2025 तक पूरा हो चुका है। यह प्रगति दर्शाती है कि परियोजना अपने निर्धारित लक्ष्य की दिशा में मजबूती से आगे बढ़ रही है। इस परियोजना की एक बड़ी विशेषता यह है कि यह केवल सड़कों की लंबाई बढ़ाने तक सीमित नहीं है, बल्कि सड़कों की गुणवत्ता और क्षमता में सुधार पर भी जोर देती है। पिछले पांच वर्षों में लगभग 57,125 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण किया गया है, जो अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है। इसके साथ ही, चार-लेन और उससे अधिक चौड़ी सड़कों की लंबाई 2019 के 31,066 किलोमीटर से बढ़कर 43,512 किलोमीटर हो गई है। वहीं, दो-लेन से कम सड़कों का अनुपात घटकर केवल 9 प्रतिशत रह गया है। यह परिवर्तन दर्शाता है कि अब देश का फोकस उच्च गुणवत्ता वाले, तेज और सुरक्षित सड़क नेटवर्क के निर्माण पर है। भारतमाला परियोजना के अंतर्गत हाई-स्पीड कॉरिडोर और एक्सप्रेसवे का विकास भी एक महत्वपूर्ण पहलू है। अब तक लगभग 3,052 किलोमीटर लंबाई के एक्सेस-कंट्रोल्ड हाई-स्पीड कॉरिडोर और एक्सप्रेसवे चालू किए जा चुके हैं। इन कॉरिडोरों का सबसे बड़ा लाभ यह है कि इन पर माल ढुलाई की औसत गति में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। जहां पहले चार-लेन राष्ट्रीय राजमार्गों पर ट्रकों की औसत गति 30-35 किलोमीटर प्रति घंटा थी, वहीं अब यह बढ़कर लगभग 50 किलोमीटर प्रति घंटा हो गई है। इससे न केवल समय की बचत होती है, बल्कि ईंधन की खपत कम होती है और परिवहन लागत में भी कमी आती है। लॉजिस्टिक्स के क्षेत्र में यह सुधार भारत की अर्थव्यवस्था के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। लंबे समय से यह चिंता जताई जाती रही है कि भारत में लॉजिस्टिक्स लागत अन्य विकसित देशों की तुलना में अधिक है, जिससे निर्यात प्रतिस्पर्धा प्रभावित होती है। भारतमाला परियोजना इस समस्या का समाधान प्रस्तुत करती है। बेहतर सड़क नेटवर्क के कारण माल की तेज आवाजाही संभव होती है, जिससे उद्योगों और व्यापार को सीधा लाभ मिलता है। यह परियोजना 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' जैसे अभियानों को भी मजबूती प्रदान करती है। इसके अलावा, यह परियोजना क्षेत्रीय संतुलन और समावेशी विकास को भी बढ़ावा देती है। देश के कई ऐसे क्षेत्र, जो पहले परिवहन सुविधाओं के अभाव में पिछड़े रह गए थे, अब राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क से जुड़ रहे हैं। इससे वहां के लोगों को शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के बेहतर अवसर मिल रहे हैं। ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों में वृद्धि हो रही है, जिससे स्थानीय स्तर पर विकास को गति मिल रही है। हालांकि, इतनी बड़ी परियोजना के सामने कई चुनौतियां भी हैं। भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया अक्सर जटिल और समय लेने वाली होती है, जिससे परियोजनाओं में देरी होती है। इसके अलावा, लागत में वृद्धि और पर्यावरणीय प्रभाव जैसे मुद्दे भी सामने आते रहते हैं। कई बार स्थानीय लोगों के विरोध के कारण भी परियोजनाएं प्रभावित होती हैं। इन चुनौतियों का समाधान पारदर्शिता, बेहतर योजना और स्थानीय समुदायों की भागीदारी के माध्यम से किया जा सकता है। परियोजना के सफल क्रियान्वयन के लिए तकनीक का उपयोग भी बढ़ाया जा रहा है। डिजिटल मॉनिटरिंग, सैटेलाइट इमेजिंग और आधुनिक निर्माण तकनीकों के माध्यम से परियोजनाओं की प्रगति पर नजर रखी जा रही है। इससे कार्य में पारदर्शिता और गति दोनों सुनिश्चित हो रही हैं। अंततः, यह कहा जा सकता है कि भारतमाला परियोजना भारत के विकास की दिशा में एक निर्णायक कदम है। यह परियोजना केवल सड़क निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह देश की आर्थिक संरचना को मजबूत करने, क्षेत्रीय असमानताओं को कम करने और भारत को एक वैश्विक आर्थिक शक्ति के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। यदि आने वाले वर्षों में भी इसी गति और प्रतिबद्धता के साथ इस परियोजना को आगे बढ़ाया जाता है, तो यह भारत के बुनियादी ढांचे में एक ऐतिहासिक परिवर्तन का कारण बन सकती है।

किन्नरों को जबरन वसूली का अधिकार नहीं

हाई कोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने एक किन्नर की याचिका पर नेग के नाम पर जबरन वसूली को गैर कानूनी करार दिया है। अदालत ने इस तरह की वसूली को भारतीय न्याय संहिता के अंतर्गत अपराध बताया है। यह केस उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले के किन्नर रेखा देवी की याचिका पर सुना जा रहा था। जिसमें रेखा देवी ने अपनी जजमानी का इलाका निर्धारित करने की अदालत से मांग की थी। याचिकाकर्ता का कहना था कि इलाकों की भौगोलिक सीमा स्पष्ट ना होने के कारण, प्रायः किन्नरों के अलग-अलग समूहों के बीच झड़पें व हिंसा तक होती है। पर अदालत ने इस याचिका को खारिज करते हुए उक्त निर्णय सुनाया। यह सही है कि घर में खुशी के मौके पर, जैसे पुत्र या पुत्री का जन्म, विवाह या नए घर में गृह-प्रवेश के अवसर पर किन्नर बधाई देने आते हैं और नाच-गा कर अपना नेग मांगते हैं। भारत में यह अनूठी प्रथा हजारों सालों से चली आ रही है। इसकी जड़ें पौराणिक काल में हैं। सबसे प्रसिद्ध और व्यापक रूप से स्वीकृत कथा रामायण से जुड़ी है। जब भगवान राम 14 वर्ष के वनवास के लिए अयोध्या से जाते है तो वे लोगों (पुरुषों और स्त्रियों) को वापस लौट जाने को कहते हैं। किन्नर (जो न पुरुष हैं न स्त्री) इस आदेश से खुद को बंधा नहीं मानते और राम की प्रतीक्षा में वहीं रह जाते हैं। 14 वर्ष बाद राम लौटते है तो उनकी इस भक्ति से प्रसन्न होकर राम उन्हें वरदान देते हैं कि शुभ अवसरों पर उनका आशीर्वाद विशेष रूप से फलीभूत होगा। इसी वरदान को बधाई की परंपरा का मूल माना जाता है। किन्नर समुदाय गाते-बजाते, तालियां बजाते हुए आशीर्वाद देते हैं और बदले में नेग (दक्षिणा या उपहार) लेते हैं। यह मान्यता है कि उनकी उपस्थिति और आशीर्वाद नकारात्मक ऊर्जा दूर करता है और सौभाग्य लाती है। यह कथा वाल्मीकि रामायण और तुलसीदास की रामचरितमानस दोनों में मिलती है। इसी तरह महाभारत में अर्जुन का बृहन्नला रूप (तीसरे लिंग वाला) और शिखंडी जैसे पात्र तीसरे लिंग की मान्यता दिखाते हैं। लगभग 400 ईसा पूर्व लिखे गए कामसूत्र में किन्नरों का स्पष्ट उल्लेख है। वेदों, पुराणों और अन्य शास्त्रों में भी किन्नरों का जिक्र मिलता है। किन्नरों को गायन, नृत्य को आध्यात्मिक शक्ति से जुड़ा माना जाता था। कई विद्वान और स्रोत इस समुदाय की उपस्थिति को 4000 वर्ष से अधिक पुरानी बताते हैं। मुगल काल में हिजड़ों की भूमिका और संगठित हुई। वे हरम की रखवाली, दरबारी सेवाएं और प्रशासन में महत्वपूर्ण स्थान रखते थे। बधाई की परंपरा इस काल में अधिक प्रचलित और संरचित रूप में चली, जहां वे शुभ अवसरों पर नृत्य-गान करके आशीर्वाद देते और नेग प्राप्त करते थे। दिल्ली सल्तनत और मुगल साम्राज्य में उनकी सांस्कृतिक-सामाजिक स्थिति मजबूत थी। अंग्रेजों ने 1871 के 'क्रिमिनल ट्राइब्स एक्ट' के तहत किन्नरों को अपराधी घोषित कर दिया, जिससे उनकी पारंपरिक आजीविका और सम्मान प्रभावित हुआ। आजादी के बाद यह कानून समाप्त कर दिया गया। इस तरह बधाई-नेग की परंपरा उत्तर भारत, खासकर दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार आदि में आज भी जीवित है। कुछ राज्यों में सरकार ने नेग की दरें तय करने की कोशिश भी की है। पर उसमें विशेष कामयाबी नहीं मिली। इसी अव्यवस्था का लाभ उठा कर किन्नर समुदाय प्रायः अपने जजमानों से जबरन वसूली करते हैं। कभी-कभी तो वसूली का तरीका बहुत अभद्र होता है। जिसमें जजमान के परिवार के सामने निर्वस्त्र हो जाना, भद्दी गालियां देना, बद्दुआएं देना और डराना-धमकाना। कभी-कभी यह सब नाटक इस सीमा तक हो जाता है कि भयभीत जजमान अपनी आर्थिक हैसियत से कई गुना ज्यादा देकर पिंड छुड़ाता है। ऐसी वसूली को 'नेग' कतई नहीं कहा जा सकता। ये सरासर गुंडई और अवैध वसूली का तरीका है, जिस पर स्थानीय पुलिस और प्रशासन को लगाम लगानी चाहिए। इसके साथ ही कई बार ऐसी घटनाएं भी सामने आती हैं जब बाकायदा सम्पूर्ण पुरुष होते हुए भी मर्द, स्त्री का रूप धारण कर किन्नर होने का दावा करते हैं और इस वसूली में अपनी ताकत दिखाते हैं। हमारी सामाजिक मान्यताओं के अनुसार किन्नरों का शुभ अवसरों पर आकर गाना-बजाना और बधाई देना शुभ माना जाता है। समाज इनका खुशी से स्वागत करता है और ऐसे अवसरों पर अड़ोसी-पड़ोसी जुट कर इनके साथ हास-परिहास भी करते हैं। ये एक स्वस्थ परंपरा है। प्रायः छोटे शहरों और कस्बों में किन्नरों के समूह कई पीढ़ियों तक अपने जजमान परिवारों से जुड़े रहते हैं।

सम्पादकीय...

जन-कल्याणकारी योजनाओं से आ रहा व्यापक बदलाव

उत्तर प्रदेश की वर्तमान सरकार का विजन समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक विकास की मुख्यधारा को प्रभावी ढंग से पहुंचाना है। इस संकल्प को साकार करने के लिए प्रदेश भर में विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का संचालन किया जा रहा है, जो न केवल आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों का संबल बनी हैं, बल्कि युवाओं और बुजुर्गों के जीवन में एक व्यापक सकारात्मक परिवर्तन भी लेकर आई हैं। इसी कड़ी में चित्रकूट जनपद में संचालित समाज कल्याण विभाग की महत्वपूर्ण पहल मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना और वृद्धजन आश्रम जैसी परियोजनाएं सामाजिक सरोकारों के क्षेत्र में नए प्रतिमान स्थापित कर रही हैं। यह शासन की दूरदर्शिता और जिला प्रशासन की सक्रियता का ही परिणाम है कि आज बुंदेलखंड के दूर-दराज के क्षेत्रों में रहने वाले प्रतिभाशाली छात्र अपनी आंखों में प्रशासनिक अधिकारी बनने का सपना हकीकत में बदलते देख रहे हैं और असहाय बुजुर्गों को गरिमापूर्ण जीवन का अधिकार मिल रहा है। मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना प्रदेश के मेधावी युवाओं के लिए एक क्रांतिकारी कदम के रूप में उभरी है। प्रदेश सरकार की इस योजना का प्राथमिक उद्देश्य उन आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को निःशुल्क कोचिंग और उच्च स्तरीय मार्गदर्शन प्रदान करना है, जो संसाधनों के अभाव में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी से दूर रह जाते थे। चित्रकूट के राजकीय जिला पुस्तकालय कर्वी में संचालित इस केंद्र पर वर्तमान में 301 छात्र-छात्राएं सिविल सेवा, जेईई, नीट और अन्य एकदिवसीय परीक्षाओं के लिए निःशुल्क कक्षाएं प्राप्त कर रहे हैं। इस योजना की गुणवत्ता और सार्थकता का जीवंत प्रमाण श्री दिवाकर सिंह की सफलता में झलकता है। दिवाकर सिंह ने इसी कोचिंग के माध्यम से तैयारी करते हुए उत्तर प्रदेश समीक्षा अधिकारी/सहायक समीक्षा अधिकारी परीक्षा-2023 में सफलता प्राप्त कर समीक्षा अधिकारी के पद पर अपना चयन सुनिश्चित किया। दिवाकर सिंह की यह उपलब्धि न केवल उनके व्यक्तिगत संघर्ष और मेधा का परिणाम है, बल्कि यह प्रदेश सरकार द्वारा प्रदत्त शैक्षिक संसाधनों की उपयोगिता को भी रेखांकित करती है। उनकी इस सफलता ने चित्रकूट के अन्य ग्रामीण और दूर-दराज के विद्यार्थियों में एक नया आत्मविश्वास भरा है। विद्यार्थियों की बढ़ती रुचि और सकारात्मक परिणामों को देखते हुए जिला प्रशासन ने आगामी शैक्षणिक सत्र 2026-27 से मऊ, मानिकपुर और राजापुर जैसी अन्य तहसीलों में भी इस निःशुल्क कोचिंग सुविधा का विस्तार करने का निर्णय लिया है। प्रदेश सरकार का यह प्रयास स्पष्ट करता है कि शिक्षा के क्षेत्र में क्षेत्रीय असमानता को मिटाने के लिए प्रशासन निरंतर कार्य कर रहा है। शिक्षा के साथ-साथ समाज का एक अन्य संवेदनशील हिस्सा हमारे बुजुर्ग हैं, जिनके प्रति उत्तरदायित्व निभाना किसी भी कल्याणकारी शासन का आधार होता है। समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित वृद्धजन आश्रम इसी मानवीय दृष्टिकोण का एक उत्तम उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है। विनायकपुर, विकास खंड कर्वी स्थित यह आश्रम निराश्रित और असहाय बुजुर्गों को न केवल छत प्रदान कर रहा है, बल्कि उन्हें ससम्मान भोजन और चिकित्सा जैसी बुनियादी सुविधाएं भी निःशुल्क उपलब्ध करा रहा है।

तो क्या 'कोहेनूर' भी लौट आएगा?

ब्रिटेन के किंग चार्ल्स की अमेरिकी राजकीय यात्रा में उनसे मुलाकात करने से पहले ममदानी ने यह बात उस वक्त कही जब उनसे पूछा गया कि वह सम्राट से मिलने पर क्या कहेंगे? वह बोले, अगर मैं उनसे अलग से बात करता तो संभवत उन्हें कोहेनूर हीरा लौटाने के लिए प्रोत्साहित करता। बीते मंगलवार को महाराजा चार्ल्स ने अमेरिकी कांग्रेस की साझा बैठक को संबोधित किया था। ममदानी ने 9/11 स्मारक पर महाराजा चार्ल्स से मुलाकात की थी लेकिन संभवतः कोहेनूर पर कोई बात नहीं हुई। हालांकि ममदानी ने पहले ही कहा था कि यदि उनसे अलग से बात हुई तो बात करेंगे जबकि यहां वह एक कार्यक्रम में मिले थे। गत सप्ताह अमेरिका ने भारत को करीब 1.4 करोड़ डॉलर मूल्य की 657 प्राचीन वस्तुएं लौटाते हुए कहा है कि एशियाई देशों को चुराई गई कलाकृतियां वापस दिलाने के लिए अभी और काम किया जाना बाकी है। प्राचीन वस्तुएं लौटाने की घोषणा मैनहट्टन के जिला अटॉर्नी एल्विन ब्रैग ने की। ये वस्तुएं कई तस्करी गिरोहों की जांच के बाद बरामद की गई जिनमें कुख्यात कला व्यापारी सुभाष कपूर और दोषी तस्कर नैन्सी वीनर से जुड़े गिरोह भी शामिल हैं। इन वस्तुओं को न्यूयॉर्क स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास की दूत राजलक्ष्मी कदम की मौजूदगी में भारत को सौंपा गया। ब्रैग ने कहा, भारत की सांस्कृतिक विरासत को निशाना बनाने वाले तस्करी गिरोह का दायरा बढ़ रहा है। यह 650 से अधिक वस्तुओं की वापसी से स्पष्ट होता है। न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्य दूत बिनय प्रधान ने मैनहट्टन जिला अटॉर्नी कार्यालय, अमेरिकी गृह सुरक्षा मंत्रालय और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के सतत् सहयोग की सराहना भी की।

अब उम्मीद लगाई जा सकती है कि भारत का 'कोहेनूर' हीरा भी ब्रिटेन से भारत में लौट आएगा। हाल ही में अमेरिका से इस दिशा में एक पहलकदमी हुई है। उम्मीद जगी है कि ब्रिटेन भी अब इसी दिशा में चलेगा। उधर, अमेरिका में न्यूयॉर्क सिटी के मेयर और भारतवंशी जोहरान ममदानी ने कहा है कि वह महाराजा चार्ल्स तृतीय को कोहेनूर हीरा लौटाने के लिए प्रोत्साहित करेंगे। ब्रिटेन के किंग चार्ल्स की अमेरिकी राजकीय यात्रा में उनसे मुलाकात करने से पहले ममदानी ने यह बात उस वक्त कही जब उनसे पूछा गया कि वह सम्राट से मिलने पर क्या कहेंगे? वह बोले, अगर मैं उनसे अलग से बात करता तो संभवत उन्हें कोहेनूर हीरा लौटाने के लिए प्रोत्साहित करता। बीते मंगलवार को महाराजा चार्ल्स ने अमेरिकी कांग्रेस की साझा बैठक को संबोधित किया था। ममदानी ने 9/11 स्मारक पर महाराजा चार्ल्स से मुलाकात की थी लेकिन संभवतः कोहेनूर पर कोई बात नहीं हुई। हालांकि ममदानी ने पहले ही कहा था कि यदि उनसे अलग से बात हुई तो बात करेंगे जबकि यहां वह एक कार्यक्रम में मिले थे। गत सप्ताह अमेरिका ने भारत को करीब 1.4 करोड़ डॉलर मूल्य की 657 प्राचीन वस्तुएं लौटाते हुए कहा है कि एशियाई देशों को चुराई गई कलाकृतियां वापस दिलाने के लिए अभी और काम किया जाना बाकी है। प्राचीन वस्तुएं लौटाने की घोषणा मैनहट्टन के जिला अटॉर्नी एल्विन ब्रैग ने की। ये वस्तुएं कई तस्करी गिरोहों की जांच के बाद बरामद की गई जिनमें कुख्यात कला व्यापारी सुभाष कपूर और दोषी तस्कर नैन्सी वीनर से जुड़े गिरोह भी शामिल हैं। इन वस्तुओं को न्यूयॉर्क स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास की दूत राजलक्ष्मी कदम की मौजूदगी में भारत को सौंपा गया। ब्रैग ने कहा, भारत की सांस्कृतिक विरासत को निशाना बनाने वाले तस्करी गिरोह का दायरा बढ़ रहा है। यह 650 से अधिक वस्तुओं की वापसी से स्पष्ट होता है। न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्य दूत बिनय प्रधान ने मैनहट्टन जिला अटॉर्नी कार्यालय, अमेरिकी गृह सुरक्षा मंत्रालय और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के सतत् सहयोग की सराहना भी की। अमेरिकी द्वारा लौटाई वस्तुओं में 'अवलोकितेश्वर' की 20 लाख डॉलर की कांस्य प्रतिमा भी शामिल है। शिलालेख में कारीगर का नाम द्रोणादित्य है जो छत्तीसगढ़ के वर्तमान रायपुर के पास स्थित सीपुर का निवासी था। यह प्रतिमा 1939 में लक्ष्मण मंदिर के पास मिली कांस्य प्रतिमाओं के एक बड़े भण्डार का हिस्सा थी। 2014 तक वह न्यूयॉर्क के एक निजी संग्रह में पहुंच गई। एक अन्य वस्तु नृत्य करते हुए 'गणेश' की कलुआ पत्थर की प्रतिमा है जिसे कपूर के सहयोगी रंजीत कंवर ने 2000 में मध्य प्रदेश के एक मंदिर से लूटा था। बाद में दोषी तस्कर वामन घिया ने इसे न्यूयॉर्क स्थित गैलरी मालिक डोरिस वीनर को बेच दिया। बुद्ध की 75 लाख डॉलर की मूर्ति- लाल बलुआ पत्थर की 'बुद्ध' प्रतिमा में बुद्ध अपना दाहिना हाथ 'अभय मुद्रा' में उठाए खड़े हैं। इस प्रतिमा के घुटनों के नीचे के पैर टूटे हैं और सिर के पीछे का आभामंडल भी आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त है। अब प्रतीक्षा है 'कोहेनूर' हीरे के लौटने की। कोहिनूर भारत के गोलकुंडा की खदानों से निकला एक ऐतिहासिक 105.6 कैरेट का बेशकीमती हीरा है, जिसका अर्थ 'रोशनी का पर्वत' है। लगभग 800 साल पुराना यह हीरा मुगलों, फारसी और सिख शासकों से होते हुए 1849 में अंग्रेजों के कब्जे में चला गया और अब यह लंदन के टॉवर में ब्रिटिश क्राउन का हिस्सा है। यह आंध्र प्रदेश के गुंटूर जिले में स्थित कोल्लूर खदान (गोलकुंडा) से निकाला गया था। यह अलाउद्दीन खिलजी, बाबर, अकबर और महाराजा रणजीत सिंह जैसे कई शासकों के पास रहा, फिर नादिर शाह ने इसे लूटा। 1849 में पंजाब पर कब्जे के बाद, लॉर्ड डलहौजी ने सिखों से लेकर इसे महारानी विक्टोरिया को सौंप दिया। यह वर्तमान में लंदन के टॉवर में महारानी एलिजाबेथ के मुकुट में जड़ा हुआ है। मूल रूप से यह 186 कैरेट का था जिसे बाद में तराश कर 105.6 कैरेट (21.12 ग्राम) कर दिया गया। भारत सरकार ने कई बार इस हीरे को वापस लाने की मांग की है लेकिन यह अभी भी ब्रिटिश शाही परिवार के कब्जे में है। ऐतिहासिक साक्ष्य मिलते हैं कि महाराजा रणजीत सिंह की इच्छा थी कि वह इस 'कोहेनूर' को जगन्नाथ पुरी के मंदिर में भेंट करें। मगर अपने ही कुछ विश्वासघाती सिपहसालारों के कारण महाराजा अपनी यह इच्छा पूरी नहीं कर पाए। कालांतर में यही हीरा लार्ड हार्डिंग ने महारानी विक्टोरिया को प्रसन्न करने के लिए महाराजा दिलीप सिंह के हाथों भेंट में दिलवाया। एक मान्यता यह भी है कि 'कोहेनूर' का इतिहास वास्तव में मनहूसियत की घटनाओं से भरा पड़ा है। यह हीरा जहां भी रहा वहां अशांति और तबाही ही मचाता रहा। इसके बारे में लोक-कहावतें भी प्रचलित हैं। पहली यह कि इसे पहनने का अधिकार या तो ईश्वर को है या किसी महिला शासक को। यदि किसी पुरुष शासक ने लम्बी अवधि तक इसे रखा तो उसका विनाश निश्चित है। अपनी लम्बी इतिहास-गाथा के अनुसार यह हीरा हिन्दू सम्राटों के पास भी रहा, मंगोल शासकों के पास भी। कुछ समय इस हीरे ने अपना रौद्र रूप खिलजी-शासकों, लोधी शासकों व ईरान एवं फारस के शासकों को भी दिखाया। अब भी माना यही जा रहा है कि यदि ब्रिटेन से यह हीरा वापिस लौटता भी है तो इसे अयोध्या में श्री राम मंदिर या जगन्नाथ पुरी या फिर सोमनाथ मंदिर में चढ़ाया जाएगा।

तमिलनाडु - 59 वर्ष बाद दो द्रविड़ स्तंभों से बाहर निकली राज्य की राजनीति, टीवीके के विजय का उदय

चेन्नई में तमिल फिल्मों के सुपरस्टार और नवोदित तमिलगा वेत्री कड़गम (टीवीके) पार्टी के संस्थापक जोसेफ विजय चंद्रशेखर के घर उल्लास का माहौल है। परिवार के सदस्यों का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वो टीवीके के चुनाव चिह्न सीटी को बजा रहे हैं। मात्र दो साल पहले विजय ने टीवीके की स्थापना की थी। नतीजों से स्पष्ट है, वो तमिलनाडु में सरकार बनाने जा रहे हैं। हालांकि, राज्य की राजनीति में किसी फिल्मी स्टार का उदय नई बात नहीं है। वैसे पहले, तमिलनाडु की राजनीति लंबे समय (1967 से अब तक) तक दो बड़े द्रविड़ स्तंभों द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) और अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (एआईएडीएमके) के बीच सीमित रही है। अब जिस तरह अभिनेता से नेता बने विजय राजनीति के केंद्र में आते दिखाई दे रहे हैं, वह इस बात का संकेत है कि राज्य की राजनीति एक नए मोड़ पर खड़ी है। यह केवल सत्ता परिवर्तन की संभावना नहीं, अपितु मतदाता के मन में गहराते बदलाव का प्रतिबिंब भी है।

सत्ता विरोधी लहर और जनता की चुनौतियां

द्रविड़ राजनीति की पहचान हमेशा सामाजिक न्याय, क्षेत्रीय अस्मिता और कल्याणकारी योजनाओं से जुड़ी रही है, लेकिन समय के साथ हर विचारधारा को खुद को नए संदर्भों में ढलना पड़ता है। मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन के नेतृत्व में डीएमके सरकार ने कई योजनाएं लागू कीं, परंतु शासन केवल योजनाओं का विस्तार नहीं होता, वह भरोसे की निरंतरता भी मांगता है। पिछले कुछ समय में बिजली दरों में वृद्धि, संपत्ति कर और शहरी अव्यवस्थाओं जैसे मुद्दों ने आम नागरिक के जीवन को सीधे प्रभावित किया है। ऐसी छोटे-छोटे असंतोष जब एक साथ जमा होते हैं तो वे सत्ता विरोध की एक मजबूत धारा बन जाते हैं।

राजनीति में परिवारवाद और विचारधारा पर सवाल

द्रमुक के भीतर परिवार के बढ़ते प्रभाव ने भी सवाल खड़े किए। उदयनिधि स्टालिन का तेजी से उभार यह संकेत देता है कि क्या राजनीतिक अवसर समान रूप से वितरित हो रहे हैं या नहीं? राजनीति में विरासत कोई नई बात नहीं है, लेकिन जब यह योग्यता पर भारी पड़ती दिखे तो जनता का विश्वास डगमगाने लगता है। इसी के समानांतर, धार्मिक मुद्दों पर दिए गए कुछ बयानों ने भी एक बड़े वर्ग को असहज किया है। द्रविड़ राजनीति का मूल स्वर भले ही धर्मनिरपेक्षता रहा हो, लेकिन आज का मतदाता अपनी पहचान के हर पहलू को सम्मान के साथ देखना चाहता है। यदि उसे यह सम्मान नहीं मिलता तो उसकी नाराजगी चुपचाप वोट में बदल जाती है।

फिल्मी लोकप्रियता से राजनीतिक आधार तक का सफर

ऐसे माहौल में विजय और उनकी पार्टी टीवीके का उभार केवल एक राजनीतिक घटना नहीं, अपितु सामाजिक मनोविज्ञान का परिणाम है। विजय की लोकप्रियता फिल्मों से शुरू हुई, लेकिन उन्होंने उसे

केवल परदे तक सीमित नहीं रखा। उनके प्रशंसक समूह धीरे-धीरे एक संगठित राजनीतिक आधार में बदल गए। यह वही रास्ता है, जिसे कभी एम.जी. रामचंद्रन ने अपनाया था और बाद में वह तमिलनाडु की राजनीति में स्थाई छाप छोड़ गए। फर्क इतना है कि आज का दौर सोशल मीडिया और तेज सूचना प्रवाह का है, जहां छवि और संदेश, दोनों तेजी से बनते और बदलते हैं।

फिल्मी लोकप्रियता से राजनीतिक आधार तक का सफर

विजय की छवि अपेक्षाकृत साफ-सुथरी रही है। उन्होंने खुद को पारंपरिक द्रविड़ राजनीति और कट्टर वैचारिक रुखों से थोड़ा अलग रखते हुए एक संतुलित विकल्प के रूप में पेश किया है। खासकर युवाओं और पहली बार मतदान करने वाले मतदाताओं के बीच उनका आकर्षण स्पष्ट दिखता है, लेकिन यहां एक गंभीर सवाल खड़ा होता है, क्या लोकप्रियता और नैतिक छवि शासन की जटिलताओं को संभालने के लिए पर्याप्त होती है?

करिश्मा बनाम अनुभव की चुनौती

इतिहास यह बताता है कि करिश्मा चुनाव जिता सकता है, लेकिन शासन चलाने के लिए अनुभव, टीम और नीतिगत स्पष्टता जरूरी होती है। यदि एआईएडीएम की बात करें तो वो भी धीरे-धीरे अपनी जमीन मजबूत करती दिखाई दे रही है। एडप्पाडी. के. पलनीस्वामी के नेतृत्व में पार्टी ने आंतरिक संघर्षों को काफी हद तक नियंत्रित किया है। ग्रामीण इलाकों में उसका पारंपरिक आधार अब भी मजबूत है। महंगाई और कृषि संकट जैसे मुद्दों ने उसे फिर से प्रासंगिक बना दिया है। जे. जयाललिता के समय की कल्याणकारी योजनाएं आज भी लोगों के मन में एक भावनात्मक जुड़ाव पैदा करती हैं।

राष्ट्रीय राजनीति पर तमिलनाडु के बदलाव का असर

हालांकि, तमिलनाडु में सत्ता परिवर्तन का असर केवल राज्य तक सीमित नहीं रहेगा। यदि द्रमुक कमजोर होती है तो इंडी गठबंधन की ताकत पर भी असर पड़ेगा। विजय जैसे नए नेताओं का उभार यह संकेत देता है कि भारतीय राजनीति में अब भी नए चेहरों के लिए जगह बनी हुई है, बशर्ते वे जनता की अपेक्षाओं को समझ सकें। दक्षिण भारत, जिसे लंबे समय तक एक स्थिर राजनीतिक क्षेत्र माना जाता था, अब प्रयोग और परिवर्तन का केंद्र बनता दिखाई दे रहा है।

बदलाव की दिशा और जनता की नई आकांक्षाएं

सवाल यह नहीं है कि कौन जीतेगा या कौन हारेगा?, बल्कि यह है कि तमिलनाडु की राजनीति किस दिशा में जा रही है। क्या यह बदलाव केवल अस्थाई लहर है या फिर एक स्थाई परिवर्तन की शुरुआत?

क्या द्रविड़ राजनीति अपने मूल स्वरूप को बचाए रखते हुए नए समय के साथ खुद को ढाल पाएगी या फिर नए चेहरे और नए विचार उसे नई दिशा देंगे? तमिलनाडु की जनता अब यह स्पष्ट संकेत दे रही है कि केवल इतिहास या नाम के आधार पर सत्ता नहीं मिलती।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक विजय कुमार शास्त्री ने कंचन ऑफसेट प्रिंटर्स, ए-9, साउथ पॉकेट एक्स. दिल्ली-33, से मुद्रित कर कार्यालय, बी-2/370, सुल्तानपुरी, दिल्ली-86 से प्रकाशित किया सम्पादक : विजय कुमार शास्त्री, मो. : 09582093548 समाचार पत्र में प्रकाशित सामग्री से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं विवादास्पद केवल दिल्ली कोर्ट में होंगे। (DELHIN/2019/0882)

ट्रेन मैनेजर की सूझबूझ से यात्री का खोया पर्स सुरक्षित मिला

मुरादाबाद।

उत्तर रेलवे के मुरादाबाद मंडल में एक सराहनीय घटना सामने आई, जहां ट्रेन मैनेजर की तत्परता से एक यात्री का कीमती सामान से भरा पर्स सुरक्षित वापस दिलाया गय । जानकारी के अनुसार, गाड़ी संख्या 12092 (काठगोदाम-देहरादून जनशताब्दी एक्सप्रेस) में तैनात ट्रेन मैनेजर जी.सी. शुक्ला अपनी ड्यूटी के दौरान मुरादाबाद से देहरादून जा रहे थे। इसी बीच नजीबाबाद स्टेशन से ट्रेन के प्रस्थान के बाद उन्हें सूचना मिली कि रामपुर से नजीबाबाद तक यात्रा करने वाले एक यात्री का लेडीज पर्स, जिसमें कीमती सामान था, कोच डी-8 की सीट संख्या 47, 50, 51 और 52 पर ही छूट गया है। यात्री नजीबाबाद स्टेशन पर उतर चुके थे और परेशान थे। सूचना मिलते ही श्री शुक्ला ने तुरंत आरपीएफ कंट्रोल और ऑपरेटिंग कंट्रोल को सूचित किया। साथ ही, एसी स्टाफ और ऑन-ट्रेन टीटीई के साथ समन्वय स्थापित कर पर्स को जल्द ही बरामद कर लिया गया। ट्रेन के अगले ठहराव हरिद्वार स्टेशन पर यात्री के परिजन को बुलाकर, वीडियो कॉल के माध्यम से पर्स की पुष्टि कराई गई और आरपीएफ की मौजूदगी में सुरक्षित रूप से उन्हें सुपुर्द कर दिया गया। इस सराहनीय कार्य के लिए यात्री और उनके परिजनों ने ट्रेन मैनेजर और भारतीय रेलवे की तत्परता एवं ईमानदारी की भूरी-भूरी प्रशंसा की। यह घटना रेलवे की उत्कृष्ट सेवा भावना और यात्रियों के प्रति जिम्मेदारी का एक प्रेरणादायक उदाहरण है।

....उनसे ही अस्तित्व हमारा, उनसे ही पहचान

मुरादाबाद।

हिन्दी साहित्य संगम की काव्य गोष्ठी सम्पन्न

हिन्दी साहित्य संगम के तत्वावधान में एक भव्य काव्य गोष्ठी का आयोजन आकांक्षा विद्यापीठ इण्टर कॉलेज, मुरादाबाद में हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ शारदे की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वन्दना के साथ हुआ। सरस्वती वन्दना सुप्रसिद्ध कवि वीरेंद्र सिंह ब्रजवासी द्वारा प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार ओंकार सिंह 'ओंकार' ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में अशोक विश्नोई उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में रघुराज सिंह 'निश्चल' एवं डॉ. चिरंजीलाल 'चंचल' ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम का संचालन संस्था के महासचिव जितेन्द्र कुमार जौली ने किया। काव्य गोष्ठी में विभिन्न कवियों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से समाज, राष्ट्र और मानवीय संवेदनाओं को अभिव्यक्ति दी। जितेन्द्र कुमार जौली ने सुनाया- तम्बाकू का सेवन करके, बहुत लोग मर जाते हैं।तम्बाकू से दूर रहेंगे, चलो कसम ये खाते हैं।। प्रशान्त मिश्र ने सुनाया- स्कूल की दहलीज पर,जब मैंने उसे खुद को छोड़ते देखा।वो चेहरे से खुश था,पर दिल से उसे रोते देखा।राजीव 'प्रखर' ने सुनाया- हम पंछी हैं मुक्त गगन के, दड़बे में क्या काम हमारा। लेकिन मानुष ने ऐसा कर, खूब लगाया दाम हमारा। पर्व मनाकर आज़ादी का, देखो तो वह खुश कितना है। भीतर रखकर दाना-पानी, छीन लिया आराम हमारा। मनोज वर्मा 'मनु' ने कहा- छिपा पता क्यों पिता में, हुआ कभी यह भान। उनसे ही अस्तित्व हमारा, उनसे ही पहचान।। योगेन्द्र वर्मा 'व्योम' ने कहा- पहले मन में झाँक फिर, बस पल भर को सोच। सम्बन्धों के पाँव में, आयी कैसे मोच।। खिंची-खिंची-सी ज़िंदगी, नुचे-नुचे अरमान। बिन मंज़िल की दौड़ में, दौड़ रहा इंसान।। डॉ. चिरंजीलाल 'चंचल' ने सुनाया- व्यथा की कथा दूर हैं जो भागते। सुरीले सुहाने तराने सुनते।। रघुराज सिंह 'निश्चल' ने सुनाया- भारत भू है सबसे अनुपम, इसे करें करबद्ध नमन हम। प्राणों से भी प्यारी समझे, मन से बोलें वन्दे मातरम।। कमल कुमार शर्मा ने सुनाया- लूट खसोट लड़ाई झगड़ा, बढ़ता भ्रष्टाचार। इन सबके बारे में जानें, पढ़ कर तुम अखबार।। वीरेंद्र सिंह ब्रजवासी ने सुनाया- यह मेरा देश कोई, ऐसा वैसा देश नहीं। यहाँ के जैसा किसी, देश का परिवेश नहीं।। अशोक विश्नोई ने सुनाया- मर चुका आँख का पानी लिख, उजाले हुए घरों की कहानी लिखा।क्या सोचता है प्यारे उठा कलम, रोते हुए ब'चों की जवानी लिख।। ओंकार सिंह 'ओंकार' ने सुनाया- बारूदी बम-विस्फोटों से, सारी धरती डोली है। रक्त बहाकर मानवता का, करता दुष्ट ठिठौली है। आज मेघ की तरह गगन से, बरस रहे हैं बम गोले, हा-हाकार मचा दुनिया में, हुई रक्त की होली है।। डॉ. महेश दिवाकर ने सुनाया-कहाँ यार! कुछ बँट रहा, कहाँ धरा है मोल।पगले! मीठे बोल को नहीं तुला में तोल।। नकुल त्यागी ने सुनाया-समय का कैसा मोड़ है, रात दिन की दौड़ है। खुश रहने का समय नहीं, खुश दिखने की होड़ है।। कार्यक्रम के अंत में अध्यक्ष ओंकार सिंह 'ओंकार' ने सभी कवियों एवं अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए साहित्यिक गतिविधियों को निरंतर जारी रखने का आह्वान किया।

जिला बार एसोसिएशन की चुनाव प्रक्रिया शुरू

मुरादाबाद। बार कौंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश के निर्देश पर वर्ष 2007 में जिला बार एसोसिएशन मुरादाबाद द्वारा मॉडल बायलॉज के आधार पर चुनाव कराए गए थे। इसी क्रम में एसोसिएशन के नवीनीकरण हेतु प्रस्ताव बार कौंसिल को भेजा गया, जिसके बाद प्रदेश में इसका नवीनीकरण वर्ष 2008 में हुआ। यह नवीनीकरण मॉडल बायलॉज के अनुसार प्रदेश में प्रथम माना गया। यह जानकारी देते हुए जिला बार एसोसिएशन के प्रथम महामंत्री एवं डीजीसी सिविल मुरादाबाद अजय कुमार गुप्ता ने बताया कि सर्वो'च न्यायालय के निर्देशानुसार देशभर की सभी बार एसोसिएशनों में ×0 प्रतिशत महिला अधिवक्ताओं को आरक्षण दिया गया है। इसी के तहत एसोसिएशन के वार्षिक चुनाव में कार्यकारिणी के पदों पर ×0 प्रतिशत सीटें महिला अधिवक्ताओं के लिए आरक्षित कर दी गई हैं।

इतिहास से छेड़छाड़ कर सिखों को बांटने की साजिश, भाजपा पर सपा राष्ट्रीय सचिव का तीखा हमला, बोले- 2027 में मिलेगा करारा और निर्णायक जवाब

बरेली। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव कुलदीप सिंह भुल्लन ने भाजपा पर सिखों का इतिहास तोड़-मरोड़कर पेश करने और समाज में नफरत फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सिख समाज अब भाजपा की फूट डालो, राज करो नीति को समझ चुका है और इसका जवाब 2027 के चुनाव में देगा। पार्टी कार्यालय पर आयोजित प्रेसवार्ता में भुल्लन ने कहा कि गुरु गोविंद सिंह को बचाने में मुस्लिम महापुरुषों की अहम भूमिका रही, लेकिन भाजपा इसे गलत तरीके से प्रस्तुत कर रही है। उन्होंने गनी और नबी खान का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने गुरु साहब की जान बचाई थी। साथ ही पीर बुद्ध शाह द्वारा अपने बेटों और भतीजे की कुर्बानी का उल्लेख करते हुए कहा कि ऐसे उदाहरणों को नजरअंदाज कर सिखों को मुस्लिमों के खिलाफ भड़काने की कोशिश की जा रही है।

तराई में सिख किसानों का मुद्दा उठाया

भुल्लन ने लखीमपुर खीरी और पीलीभीत के तराई क्षेत्र में सिख किसानों के जमीन के अधिकारों पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि बंटवारे के बाद सिख परिवारों को यूपी लाकर बसाया गया था, जिन्होंने बंजर जमीन को मेहनत से उपजाऊ बनाया। अब उन्हीं से जमीन का मालिकाना हक छीना जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने कैबिनेट में हक दिलाने का दावा तो किया, लेकिन हकीकत में 50 एकड़ जमीन छीन ली गई और हजारों एकड़ पर खतरा मंडरा रहा है। सपा नेता ने महंगाई, डीजल-पेट्रोल के दाम और खाद की किल्लत को लेकर भी सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि भाजपा पंचायत चुनाव में हार के डर से उन्हें टाल रही है।

2027 में सपा सरकार का दावा

भुल्लन ने छह जून को लखनऊ में प्रस्तावित सिख सम्मेलन का जिक्र करते हुए कहा कि 2027 के चुनाव में सिख समाज करीब 50 सीटों पर निर्णायक भूमिका निभाएगा। उन्होंने दावा किया कि पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक (पीडीए) के साथ मिलकर सपा सरकार बनाएगी। प्रेसवार्ता के दौरान सपा जिलाध्यक्ष शुभलेश यादव, मझनगर अध्यक्ष शमीम खां सुल्तानी, पूर्व विधायक विजय पाल सिंह, डॉ. अनीस बेग, अशोक यादव, प्रमोद बिष्ट और ब्रजेश श्रीवास्तव समेत कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अंडमान निकोबार के बाबत राहुल गांधी की चिंता स्वाभाविक- पप्पू चौधरी पूर्व कांग्रेस विधायक

लखनऊ।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के अंडमान निकोबार के जल, जंगल और जमीन को बचाने की कोशिश को भाजपा का ट्रोल आर्मी निंदा, आलोचना से कहीं आगे बढ़कर उन्हें चीन का एजेंट तक कहने के अभियान में जुट गया है लेकिन क्या इससे सचाई छुप सकती है? यह बात वरिष्ठ कांग्रेस नेता और शोहरत गढ़ क्षेत्र से तीन बार विधायक रहे रविन्द्र प्रताप(पप्पू चौधरी) ने एक मुलाकात के दौरान कही। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के कार्यकाल में छत्तीसगढ़, यूपी, मध्यप्रदेश और भी अन्य प्रदेशों में लाखों पेड़ काट डाले गए। कहीं हाइवे के लिए तो कहीं अडानी के लिए। उन्होंने कहा कि हैरत है, प्रधानमंत्री एक पेड़ मां के नाम का आवाहन कर देश के सारे पेड़ अडानी के नाम कर रहे हैं। उन्होंने कहा अंडमान निकोबार में अडानी को बहुत बड़ा जंगल क्षेत्र और भूभाग पोर्ट के लिए सौंप दिया गया है। अंडमान निकोबार भौगौलिक दृष्टि प्राकृति का अनोखा और हरा-भरा भू क्षेत्र जहां की बेहद कम आबादी खुद को इसके गोद में आनंदित महसूस करती है। अब इसके क्षरण की शुरुआत होने जा रही है प्रधानमंत्री के प्रिय अडानी के हाथों। उन्होंने कहा कि अडानी समूह द्वारा प्रस्तावित ग्रेट निकोबार विकास परियोजना इस द्वीप समूह में भारी तबाही लेकर आने वाला है। उन्होंने कहा इस परियोजना के आकार लेने से शोम्पेन और निकोबारी समुदाय के विस्थापन का खतरा है,जिनकी संस्कृति और जीवन यहां के वनों पर निर्भर है। परियोजना के लिए 130 से 160 वर्ग किलोमीटर प्राथमिक वर्षा वन काटा जाएगा जिसमें करीब नौ लाख से अधिक पेड़ों की भी कटाई होगी।

उन्होंने कहा कि अडानी के इस प्रोजेक्ट में हवाई अड्डा, अंतरराष्ट्रीय कंटेनर ट्रांस शिपमेंट टर्मिनल तथा टाउनशिप का निर्माण होना है। जिसे विकास का नाम दिया जा रहा है जबकि यह अंडमान निकोबार द्वीप समूह के लिए विनाशकारी सिद्ध होगा।यह परियोजना प्रवाल भित्तियों के लिए खतरा है ही। खास प्रजातियों के कछुओं के घोंसले भी बर्बाद होंगे। कांग्रेस नेता राहुल गांधी यदि देश के समक्ष इस हकीकत को उजागर कर रहे हैं तो वे चीन के एजेंट कैसे हो गए? मतलब सरकार की ग़लत नीतियों का विरोध करने का मतलब पाकिस्तान, चीन,जार्ज सोरेश का एजेंट होना होता है क्या? उन्होंने कहा कि उन्हें याद नहीं कि गांधी परिवार का कोई सदस्य कब पाकिस्तान गया? जबकि हमारे प्रधानमंत्री बिना बुलाए लाहौर पहुंच चुके हैं। चीन से सर्वाधिक निकटता यदि भारतीय किसी नेता की रही है तो वे हैं मोदी। जिनपिंग को झूला उन्होंने झुलाया, उसके तारीफ़ों की पुल मोदी बांधते हैं और एजेंट राहुल गांधी हैं? पूर्व विधायक पप्पू चौधरी ने और भी कई विषयों पर लंबी बातचीत में राहुल गांधी को युगद्रष्ठ बताया। कहा कि उन्होंने देश में संभावित संकट के बारे में सरकार को लगातार आगाह किया लेकिन सरकार हमेशा उनकी खिल्ली उड़ाती रही। कोरोना को लेकर जब संसद में उन्होंने सरकार को चेताया तो भाजपा के तमाम नेताओं ने राहुल गांधी को क्या क्या नहीं कहा। उन्होंने कहा सत्ता दल को राहुल गांधी को अंडर स्टीमेट करने के पहले सोचना होगा कि उनके रगों में आर्टीफिशियल सिंदूर नहीं पाकिस्तान के दो टुकड़े कर देने वाली स्वर्गीय इंदिरा गांधी, भारत को आधुनिक भारत बनाने वाले जवाहरलाल नेहरू तथा कंप्यूटर टेक्नोलॉजी में भारत को दुनिया के समकक्ष खड़ा करने वाले राजीव गांधी का खून दौड़ता है। पूर्व विधायक व कांग्रेस नेता ने कहा कि राहुल गांधी में कुछ खास नहीं होता तो भाजपा सरकार को, कृषि कानून से लेकर जातिय जनगणना जैसे मुद्दों पर बैकफुट नहीं होना पड़ता। उन्होंने कहा कि महंगाई पर राहुल गांधी की एक एक भविष्यवाणी सच हो रही है। उन्होंने कहा था कि चुनाव बाद जनता पर महंगाई की मार पड़ेगी और इसकी शुरुआत हो गई है।

हज-ए-मकबूल खुश नसीबी है- जाबिर हुसैन सिद्दीकी बस्तवी

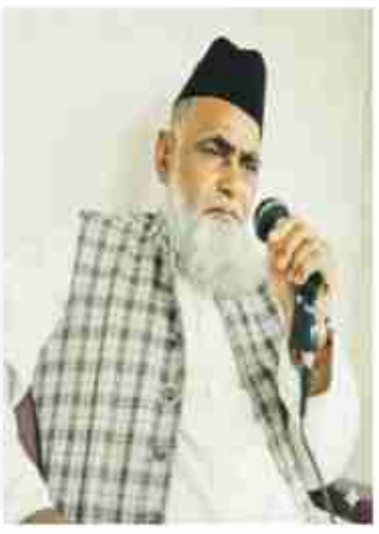

रविवार को जनाब मोहम्मद शुएब (अंसार नगर) के निवास स्थान पर हज के अवसर पर एक शानदार महफिल-ए-ईद-मीलाद-उर-रसूल का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जनसमूह को संबोधित करते हुए प्रसिद्ध साहित्यकार एवं विशेष वक्ता हज़रत अल्लामा जाबिर हुसैन सिद्दीकी ने कहा कि हज-ए-मबरूर और हज-ए-मकबूल (स्वीकार की गई हज) इंसान का सौभाग्य है। अल्लाह ताला सबको यह दौलत अता नहीं फरमाता। जिन्हें अल्लाह यह नेमत दे दे, वे बहुत खुशकिस्मत लोग होते हैं। अल्लाह पाक दुनिया के तमाम हाजियों के हज को कुबूल फरमाए। इस महफिल में कारी अब्दुल लतीफ कादरी, कारी कमाल अहमद रिज़वी सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। अंत में हज़रत अल्लामा जाबिर हुसैन सिद्दीकी की दुआओं के साथ महफिल संपन्न हुई।

मुसाँस- मुरादाबाद सांस्कृतिक समाज कार्यक्रम - कनिष्क मिश्रा के भजनों पर झूमे श्रद्धालु

मुरादाबाद। मुसाँस- मुरादाबाद सांस्कृतिक समाज द्वारा नए सत्र का प्रथम कार्यक्रम आज 'भजनों का महाकुंभ' के रूप में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का संयोजन सुषमा गर्ग एवं संचालन भारत विख्यात रामलीला निर्देशक तथा संस्था सचिव डॉ0 पंकज दर्पण अग्रवाल द्वारा किया गया। डॉ. पंकज दर्पण अग्रवाल ने बताया कि आज के कार्यक्रम की खास बात ये है कि सभी कलाकार अपने नगर के प्रतिष्ठित परिवार से हैं तथा भजन गायिकी इनका व्यवसाय न होकर भी ये उत्कृष्ट कलाकार हैं। सुषमा गर्ग द्वारा विशेष समय बद्धता मनोरंजक खेल एवम प्रश्नोत्तरी की गई। दिल्ली रोड स्थित हाई वे ग्रांड में आयोजित कार्यक्रम में सर्वप्रथम दीपक बाबू, अनिता गुप्ता, के के मिश्रा, चित्रा अग्रवाल, हिमांशु गर्ग, प्रदीप शुक्ला एवम प्रशांत गर्ग द्वारा दीप प्रवलित करके कार्यक्रम का श्रीगणेश हुआ।

तदुपरांत भजनों का सिलसिला आरम्भ हुआ। संगीत के क्षेत्र में तेजी के साथ उभरते हुए मुरादाबाद के युवा गायक कनिष्क मिश्रा ने अपने भजन गायन से वातावरण को दिव्यता प्रदान की। सजा दो घर के आंगन को मेरे घर राम आये हैं इस गीत ने कार्यक्रम को ऊंचाई पर पहुंच दिया। इसके अतिरिक्त कनिष्क ने हनुमान एवम कृष्ण भक्ति के भी भजनों की प्रस्तुति दी।कार्यक्रम का एक और आकर्षण रहा प्रदीप शुक्ला की भजन प्रस्तुति का। प्रदीप शुक्ला का भजन गायक के रूप में नया अवतार देखकर तो लोग मंत्र मुग्ध ही हो गए। मुरादाबाद की लता मंगेशकर के नाम से विख्यात साध्वी गुप्ता के श्रीकृष्ण भक्ति से सराबोर गीतों ने कार्यक्रम को चरम पर पहुंचा दिया।इस अवसर पर सभी कलाकारों का सम्मान करते हुए दीपक बाबू ने कहा कि आज का कार्यक्रम मुसाँस के मूल उद्देश्यों को फलीभूत करने वाला ही है।

दिल्ली अग्निकांड में बड़ा खुलासा- सेंट्रल लॉकिंग, एक सीढ़ी, बिजली कटने से जाम हुए लॉक; बचने के रास्ते हुए बंद

नई दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी के विवेक विहार इलाके में चार मंजिला इमारत में भीषण आग से नौ लोगों की मौत हो गई। इनमें पांच लोग एक ही परिवार के थे। आग का कारण एसी में विस्फोट को बताया जा रहा है। यह दर्दनाक हादसा रविवार तड़के 3:48 बजे हुआ। मौके पर पहुंची पुलिस, आपदा प्रबंधन की टीमें और दमकल की 14 गाड़ियों ने चार घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। बचावकर्मियों ने 15 लोगों को सुरक्षित निकाल लिया, जबकि छह लोग झुलस गए, जिनमें एक की हालत नाजुक है। दो बेटियों ने दूसरी मंजिल से कूदकर जान बचाई। मृतकों में चार महिलाएं और डेढ़ साल का एक मासूम भी है। शाहदरा पुलिस उपायुक्त राजेंद्र प्रसाद मीणा ने बताया, विवेक विहार फेस-1 के बी-13 नंबर स्थित चार मंजिला इमारत में आठ फ्लैट हैं। इनमें अलग-अलग परिवार रहते हैं। प्रथम दृष्टया आग की शुरुआत पीछे बने दूसरी मंजिल के एक फ्लैट से हुई। इस फ्लैट में नवीन जैन, पत्नी शिखा, दो बेटियों रक्षिता उर्फ परी और प्रिंकल के साथ रहते थे। कुछ दिनों से शिखा की बुजुर्ग मां दर्शना व पिता अरुण जैन भी इलाज के लिए आए हुए हैं। आशंका है कि आग इनके फ्लैट में एसी ब्लास्ट के बाद लगी। इमारत में धुआं फैला, तो अफरातफरी मच गई। आग ने तेजी से ऊपर के फ्लैटों को भी चपेट में ले लिया। दमकलकर्मियों ने बताया, इमारत में पीछे के चार फ्लैटों में आग की तीव्रता अधिक थी। नौ शव बरामद कर पुलिस को सौंपे गए हैं। विवेक विहार थाना पुलिस ने मामला दर्ज किया है। क्राइम और फोरेंसिक टीमों ने मौके से साक्ष्य जुटाए हैं। आग लगते ही शिखा और नवीन ने परिवार के सदस्यों को निकालना शुरू किया। पहले पिता को निकाला। दोनों बेटियां व शिखा की मां दर्शना फंस गईं। नवीन ने दोनों बेटियों को दूसरी मंजिल से कूदने के लिए कहा। नीचे पहले ही गद्दे डाल दिए थे। दोनों बेटियां गद्दों पर कूद गईं, जिससे उनकी जान बच गई। इस बीच, शिखा मां को बचाने लगीं। मां को निकालने में वह कामयाब हो गईं, पर खुद फंस गईं और उनकी मौत हो गई। नवीन भी झुलस गए। आपदा प्रबंधन टीम के एक सदस्य ने बताया, ऊपरी मंजिल पर तीन लोगों ने खुद को बचाने की कोशिश की, पर छत की ओर जाने वाला दरवाजा सेंट्रल लॉकिंग सिस्टम से बंद होने के कारण वे निकल नहीं सके। इन तीन लोगों में मां और बेटे के शव छत की ओर जाने वाली सीढ़ियों पर एक-दूसरे को पकड़े हुए मिले। पूरी इमारत में सेंट्रल लॉकिंग सिस्टम, इमारत के पिछले हिस्से में लगी लोहे की ग्रिल और एक ही सीढ़ी का होना घातक साबित हुआ। स्थानीय नागरिकों ने बताया, आग के कारण बिजली आपूर्ति बाधित होने से सेंट्रल लॉक वाले दरवाजे खोलना मुश्किल हो गया, जबकि लिफ्ट अनुपयोगी हो गई। पीछे मोटे लोहे की ग्रिल और बंद बालकनी ने निकासी व बचाव प्रक्रिया को और भी जटिल बना दिया। दमकलकर्मी ने बताया, इमारत में प्रवेश व निकास के लिए एक ही सीढ़ी थी। पीछे का गेट ग्रिल से ढका हुआ था, जिसे औजारों से काटना पड़ा। 15 लोगों को बचाने के लिए हमारी टीम ने अलग दिशाओं से सीढ़ियां लगाईं और घुमावदार सीढ़ी वाहन का इस्तेमाल किया। छत पर जाने के लिए दरवाजे पर सुरक्षादृष्टि से सेंट्रल लॉक लगाए गए थे। हादसे के वक्त बिजली कटने से यह लॉक जाम हो गए। इससे लोग छत की ओर नहीं भाग पाए। इमारत के आठ फ्लैटों में से पांच पूरी तरह जल गए हैं। हादसे में तीसरी मंजिल पर एक ही परिवार के पांच लोग बुजुर्ग अरविंद जैन, पत्नी अनिता, बेटा निशांक, बहू आंचल और डेढ़ साल के पोते आकाश की जलकर मौत हो गई।

बंगाल जीत पर मोदी बोले-गंगोत्री से गंगासागर तक कमल खिला- घुसपैठियों के खिलाफ एक्शन लेंगे, पहली कैबिनेट में आयुष्मान भारत को मंजूरी मिलेगी

नई दिल्ली। पीएम मोदी ने सोमवार को दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय पर कहा- बंगाल की पहली कैबिनेट मीटिंग में ही आयुष्मान भारत को मंजूरी मिलेगी। घुसपैठ करने वालों पर एक्शन लिया जाएगा महिलाओं को सुरक्षा का माहौल मिलेगा, युवाओं को रोजगार मिलेगा, पलायन रुकेगा। पीएम ने 47 मिनट के भाषण में पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी में सरकार बनने पर कहा- गंगोत्री से गंगासागर तक कमल ही कमल खिला है। सालों की साधना जब सिद्धि में बदलती है तो जो खुशी होती है वो खुशी कार्यकर्ताओं के चेहरे पर देख रहा हूं।

गंगोत्री से गंगासागर तक भाजपा

पिछले साल 14 नवंबर को मैंने यहीं से कहा था गंगा जी बिहार से आगे होते हुए गंगासागर तक जाती है। आज बंगाल की जीत के साथ गंगोत्री से लेकर गंगासागर तक कमल ही कमल खिला है। उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार और अब पश्चिम बंगाल। आज मां गंगा के पास बसे राज्यों में भाजपा-एनडीए सरकार है। 2013 में जब भाजपा ने मुझे प्रधानमंत्री के उम्मीदवार के रूप में काम दिया और काशी में जब फॉर्म भरने गया तो मेरे दिल से निकला कि न मुझे किसी ने भेजा है, ना मैं यहां आया हूं। मुझे तो मां गंगा बुलाया है

2. बंगाल को बदला नहीं, बदलाव चाहिए

बंगाल के भाग्य में आज से एक नया अध्याय जुड़ गया। आज बंगाल भय मुक्त हुआ है। पहली बार डर नहीं, लोकतंत्र जीता है। आज जब भाजपा जीती है तो बदला नहीं, बदलाव की बात होनी चाहिए। भय नहीं, भविष्य की बात होनी चाहिए। मेरी सभी दलों के कार्यकर्ताओं से अपील है कि आइए हिंसा के इस अंतहीन चक्र को हमेशा के लिए खत्म करें। किसने किसे वोट दिया, किसे नहीं दिया, उससे ऊपर उठकर काम करें।

3. मां कामाख्या का हम सब पर आशीर्वाद

आज मैं महसूस करता हूं कि मां गंगा का आशीर्वाद हम सब पर है। मां ब्रह्मपुत्र, मां कामाख्या का भी हम सब पर आशीर्वाद रहा है। असम की जनता ने तीसरी बार एनडीए पर भरोसा किया है। यह असम के इतिहास की बहुत बड़ी घटना है। असम के टी गार्डन वाले क्षेत्रों में भी भाजपा को समर्थन मिला है। असम अब अपने विकास की रफ्तार और बढ़ाएगा।

4. पुडुचेरी के युवाओं के लिए काम जारी रहेगा

साल 2021 में हमने पुडुचेरी की जनता के सामने बेस्ट पुडुचेरी का विजन रखा। उन्होंने उस पर विश्वास जताया। पिछले 5 साल में इस विजन को पूरी निष्ठा के साथ गति देने का काम किया गया। मैं पुडुचेरी के युवाओं को, फिशरमैन साथियों को भी विश्वास दिलाता हूं कि एनडीए आपके उज्वल भविष्य के लिए काम करती रहेगी।

5. अंग, बंग और कलिंग समृद्ध भारत की पहचान

जब भारत समृद्ध था तो उसके तीन मजबूत स्तंभ थे अंग यानी आज का बिहार, बंग यानी आज का बंगाल और कलिंग यानी आज का ओडिशा। कलिंग उस समय हिंद महासागर के समुद्री व्यापार का सम्राट था। वहीं अंग सूत रेशम के साथ नालंदा और विक्रमशिला जैसे एजुकेशन सेंटर का हब था और बंग वो सांस्कृतिक धरती थी जहां से भारत की आत्म की आवाज उठती थी।

6. महिला आरक्षण का विरोध करने वालों को सबक मिला

एक और महत्वपूर्ण पिलर भारत की नारी शक्ति है। नारी शक्ति की रफ्तार को कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने कुछ दिन पहले रोकने का काम किया। इन नारी विरोधी दलों ने नारी शक्ति संशोधन को पास नहीं होने दिया। मैंने कुछ दिन पहले कहा था महिला आरक्षण का विरोध करने वाले ऐसे दलों को महिलाओं का आक्रोश झेलना पड़ेगा।

7. भारत में कहीं भी कम्युनिस्ट सरकार नहीं

आज एक भी राज्य ऐसा नहीं है जहां कम्युनिस्ट पार्टी की सरकार हो। ये सिर्फ सियासत का बदलाव नहीं है। ये सोच का बदलाव है। ये बताता है कि विकसित होता भारत किस दिशा में आगे बढ़ना चाहता है। आज का भारत विकास, विश्वास, प्रगति चाहता है। ऐसी राजनीति चाहता है जो देश को आगे बढ़ाए। पूरा देश कम्युनिज्म से किनारा कर चुका है।

-विधानसभा चुनाव नतीजे-

बंगाल-असम-पुडुचेरी में भाजपा का खिला कमल, केरल में कांग्रेस और तमिलनाडु में विजय की आंधी

नई दिल्ली। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव नतीजों ने कई स्थापित राजनीतिक समीकरणों को उलट दिया है। बंगाल की राजनीति में बड़ा परिवर्तन हो गया, जहां भाजपा ने ऐतिहासिक जीत दर्ज करते हुए पहली बार सरकार बनाने का रास्ता साफ कर लिया है। पार्टी ने 200 के आंकड़े को भी पार कर लिया और ममता बनर्जी की पार्टी दो अंकों में सिमट गई। वहीं तमिलनाडु में अभिनेता से नेता बने विजय ने चमत्कारिक प्रदर्शन करते हुए सत्ता पर कब्जा जमाया है। केरल में कांग्रेस नेतृत्व वाले यूडीएफ को स्पष्ट बढ़त मिली है, जबकि असम और पुडुचेरी में भाजपा ने अपनी सत्ता बरकरार रखी है। इन चुनावों ने राष्ट्रीय राजनीति में भाजपा की बढ़ती ताकत, क्षेत्रीय दलों की चुनौतियां और कांग्रेस की सीमित वापसी को स्पष्ट रूप से सामने रखा है। नतीजों ने वाम दलों को पूरी तरह हाशिये पर धकेल दिया है। अब पूरे देश से उनका सफाया हो गया है।

बंगाल में बीजेपी ने किया 200 का आंकड़ा पार

बंगाल में 294 सीटों वाली विधानसभा में भाजपा ने दो सौ का आंकड़ा पार कर अभूतपूर्व प्रदर्शन किया है। यह राज्य की राजनीति में निर्णायक मोड़ माना जा रहा है। लंबे समय से सत्ता में बनी तृणमूल कांग्रेस इस बार सौ के आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सकी। सीमावर्ती, आदिवासी और औद्योगिक क्षेत्रों में भाजपा को व्यापक समर्थन मिला, जबकि तृणमूल शहरी और कुछ ग्रामीण क्षेत्रों तक सीमित रह गई। चुनाव प्रचार के दौरान ध्रुवीकरण, मतदाता सूची और ईवीएम सुरक्षा जैसे मुद्दों ने माहौल को तनावपूर्ण बनाए रखा। हालांकि हार के बाद ममता बनर्जी ने मतगणना प्रक्रिया पर सवाल उठाए हैं।

तमिलनाडु में टीवीके ने किया बड़ा उलटफेर

तमिलनाडु में 234 सीटों के चुनाव में विजय की पार्टी टीवीके ने सबसे बड़ा उलटफेर किया। बहुमत के लिए जरूरी 118 सीटों के आंकड़े की ओर बढ़ते हुए टीवीके ने द्रविड़ राजनीति के पारंपरिक द्विध्रुव को तोड़ दिया है। डीएमके एवं एआईएडीएमके दोनों ही पीछे छूट गए।

भवानीपुर सीट से ममता बनर्जी हारीं, नंदीग्राम से भी जीते सुवेंदु अधिकारी

मुख्यमंत्री एमके स्टालिन अपनी सीट तक नहीं बचा सके। विजय की नई छवि, संतुलित बयानबाजी और लोकलुभावन वादों ने मतदाताओं को आकर्षित किया है। एमजीआर के बाद यह पहला अवसर है जब किसी फिल्मी व्यक्तित्व को इतनी व्यापक राजनीतिक स्वीकृति मिली है। केरल में दस वर्षों के बाद सत्ता परिवर्तन के संकेत स्पष्ट हैं। कांग्रेस नेतृत्व वाले यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) ने बहुमत की ओर बढ़त बनाई है। यहां लंबे समय से वामपंथी एलडीएफ की राजनीति मजबूत थी, जो इस बार पूरी तरह पिछड़ गया। हालांकि नतीजे बता रहे हैं कि कांग्रेस को सुकून से सरकार बनाने-चलाने के लिए सहयोगी इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के समर्थन पर निर्भर रहना पड़ेगा। यूडीएफ के बहुमत में आते ही वाम दलों का देश में आखिरी मजबूत गढ़ भी कमजोर पड़ गया है।

असम में बीजेपी की हैट्रिक

असम में भाजपा ने लगातार तीसरी बार सत्ता में वापसी कर अपनी पकड़ और मजबूत कर ली है। 126 सीटों वाली विधानसभा में पार्टी ने सहयोगियों के साथ मिलकर स्पष्ट बहुमत प्राप्त कर लिया है। हिमंत बिस्व सरमा के नेतृत्व में सरकार ने विकास कार्यों, कल्याणकारी योजनाओं और घुसपैठ के मुद्दे पर निर्णायक काम किया था, जिसके सामने कांग्रेस पूरी तरह पिछड़ गई और उसके प्रमुख नेता गौरव गोगोई को भी हार का सामना करना पड़ा।

पुडुचेरी में भी जीती भाजपा

भाजपा ने पूरे चुनाव के दौरान सहयोगी दलों के साथ संतुलन बनाए रखा, जिसका लाभ मिला।पुडुचेरी में भी राजग ने अपना प्रदर्शन दोहराते हुए सत्ता बरकरार रखी।

बंगाल में बीजेपी नहीं जीती, तो ईसी से उठ जाएगा भरोसा- कन्हैया कुमार

नई दिल्ली। देश के पांच राज्यों में विधानसभा चुनावों की मतगणना जारी है। रुझानों में भाजपा पुडुचेरी, असम और बंगाल में सरकार बनाती दिखाई दे रही है। जबकि केरलम में यूडीएफ और तमिलनाडु में टीवीके को बढ़त मिल रही है। इस बीच, कांग्रेस के फायर ब्रांड नेता और स्टार प्रचारक कन्हैया कुमार की एक टिप्पणी ने राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी है।

चुनाव आयोग पर साधा निशाना

दरअसल,कन्हैया कुमार ने बंगाल के शुरुआती रुझानों को देखते हुए एक्स पर पोस्ट किया। इसमें उन्होंने चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर निशाना साधते हुए लोकतंत्र की निष्पक्षता पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने लिखा, अगर बीजेपी बंगाल जैसे राज्य में भी नहीं जीतेगी, तो हमारा चुनाव आयोग से भरोसा उठ जाएगा।

बंगाल में कन्हैया ने जमकर किया था प्रचार

कन्हैया का यह कटाक्ष सीधे तौर पर उस धारणा पर प्रहार है, जिसमें विपक्ष अक्सर चुनाव आयोग पर सत्ता पक्ष के प्रति नरम रुख अपनाने का आरोप लगाता रहा है। उनके इस बयान को इस तरह देखा जा रहा है कि अगर इतने भारी विरोध और जमीनी हकीकत के बावजूद नतीजे बीजेपी के पक्ष में जाते है, तो यह संस्थागत निष्पक्षता पर बड़ा सवाल होगा। मालूम हो कि, इस बार के चुनाव में कन्हैया कुमार ने कांग्रेस और लेफ्ट गठबंधन के लिए धुआंधार प्रचार किया था। उन्होंने अपनी सभाओं में लगातार बेरोजगारी, महंगाई और संघीय ढांचे पर हमले को लेकर केंद्र सरकार को घेरा। हालांकि, रुझान बताते है कि मुख्य मुकाबला अभी भी दीदी और मोदी के बीच सिमटा हुआ है। कोलकाता पोर्ट जैसी सीटों पर जहां टीएमसी के फिरहाद हाकिम विशाल बढ़त बनाए हुए हैं, वहीं उत्तर बंगाल और जंगलमहल के कुछ हिस्सों में बीजेपी कड़ी टक्कर दे रही है।

2029 तक महसूस किए जाएंगे झटके - उमर अब्दुल्ला

इसके साथ ही पांचों राज्यों के शुरुआती रुझानों को लेकर जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री और नेशनल कांफ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला ने भी नतीजों को लेकर निराशा जाहिर की है। उमर अब्दुल्ला ने एक्स पर लिखा,ब्लडी हेल यानी किश्त तेरी के। जम्मू कश्मीर के सीएम ने इसके अलावा कुछ और नहीं लिखा लेकिन उन्होंने ऐसे समय यह कमेंट लिखा है जिसे चुनाव परिणामों से जोड़कर देखा जा रहा है। वहीं, इसके कुछ देर बाद उन्होंने एक और पोस्ट किया। इसमें उन्होंने लिखा, भारत में चुनावों का मतलब हमेशा से ही रुझानों और नतीजों की समझदारी भरी और सही व्याख्या के लिए प्रणय रॉय रहे हैं। इसीलिए आज मेरे ऑफिस की स्क्रीन पर सिर्फ @DrKaderAI देखा जा रहा है, ताकि पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में आ रहे राजनीतिक भूचाल को देखा जा सके। इन नतीजों के झटके दूर-दूर तक और लंबे समय तक महसूस किए जाएंगे, शायद 2029 तक।

यूएई पर ईरान का ड्रोन और क्रूज़ मिसाइल हमला, 3 भारतीय घायल

नेशनल डेस्क। संयुक्त अरब अमीरात के रक्षा मंत्रालय ने बताया है कि ईरान ने ड्रोन और क्रूज मिसाइलों से देश पर हमला किया है। यह पहली बार है जब अप्रैल की शुरुआत में लागू हुई नाजुक युद्धविराम संधि के बाद से ईरान ने यूएई पर हमला किया है। इस हमले में एक तेल संयंत्र में काम करने वाले तीन भारतीय नागरिक भी घायल हो गए।

तेल संयंत्र और जहाजों को बनाया गया निशाना

रिपोर्टों के अनुसार, ईरान ने चार क्रूज मिसाइलें दागीं, जिनमें से तीन को हवा में ही मार गिराया गया, जबकि एक समुद्र में जा गिरी। एक ईरानी ड्रोन ने पूर्वी अमीरात के फुजैराह क्षेत्र में स्थित एक प्रमुख तेल संयंत्र पर हमला किया, जिससे वहां भीषण आग लग गई। इसके अलावा, ब्रिटिश सेना ने भी बताया है कि

यूएई के तट के पास दो मालवाहक जहाजों में आग लग गई।

भारतीय नागरिकों की स्थिति

फुजैराह मीडिया कार्यालय के अनुसार, पेट्रोलियम औद्योगिक क्षेत्र में हुए ड्रोन हमले के कारण तीन भारतीय नागरिक घायल हो गए हैं। उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया और बताया जा रहा है कि उन्हें मामूली चोटें आई है।

हमले का कारण और तनाव

ऐसा प्रतीत होता है कि ये हमले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के प्रयासों के जवाब में किए गए हैं। फुजैराह उस पाइपलाइन का अंतिम बिंदु है जिसका उपयोग यूएई, होर्मुज को दरकिनार करते हुए तेल भेजने के लिए करता है। यूएई के विदेश मंत्रालय ने इस हमले की कड़ी निंदा करते हुए इसे देश की सुरक्षा के लिए सीधा खतरा बताया। मंत्रालय ने कहा कि वह इस हमले का जवाब देने का अपना पूर्ण और कानूनी अधिकार सुरक्षित रखता है। हमले के तुरंत बाद, लोगों के फोन पर अलर्ट भेजकर उन्हें सुरक्षित इमारतों में शरण लेने की सलाह दी गई, हालांकि कुछ समय बाद स्थिति को सुरक्षित घोषित कर दिया गया।

बांग्लादेश में खसरे का प्रकोप: 24 घंटों में 10 और बचों की गई जान, हालात बेकाबू

ढाका। बांग्लादेश में खसरे का प्रकोप गंभीर रूप ले चुका है। पिछले 24 घंटों में 10 और बच्चों की मौत के बाद कुल मौतों का आंकड़ा बढ़कर 294 पहुंच गया है। इनमें 50 मौतें पुष्टि किए गए खसरे से जुड़ी है, जबकि 244 मामलों को संदिग्ध माना जा रहा है।स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, देशभर में (खसरे) के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। अब तक 5,313 पुष्ट मामले सामने आ चुके है, जबकि संदिग्ध मामलों की संख्या 40,000 से ज्यादा हो गई है। सिर्फ 24 घंटों में 95 नए पुष्ट और 1,166 संदिग्ध मामले सामने आए हैं। राजधानी ढाका समेत कई इलाकों में मौतें दर्ज की गई है। सबसे ज्यादा प्रभावित क्षेत्रों में ढाका, बरिशाल, चटगांव, खुलना और सिलहट शामिल हैं। इन इलाकों में स्वास्थ्य सेवाओं पर भारी दबाव है। सबसे चिंताजनक स्थिति दूरदराज के पहाड़ी इलाकों में है, खासकर बंदरबन जिले के अलीकदम क्षेत्र में। यहां स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी के कारण बच्चे जड़ी-बूटियों और पारंपरिक इलाज पर निर्भर हैं। पिछले कुछ दिनों में यहां 5 बच्चों की मौत हो चुकी है और कई अन्य संक्रमित हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि इस महामारी की सबसे बड़ी वजह टीकाकरण प्रणाली का कमजोर होना है। 2024 के राजनीतिक संकट के बाद वैक्सीन की खरीद और वितरण व्यवस्था प्रभावित हुई, जिससे देशभर में टीकों की कमी हो गई और इम्यूनाइजेशन दर गिर गई। इसके अलावा, बच्चों में कुपोषण और कमजोर स्वास्थ्य प्रणाली ने स्थिति को और खराब कर दिया है।

विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि अगर तुरंत कदम नहीं उठाए गए, तो मौतों का आंकड़ा और बढ़ सकता है। ढाका स्थित महामारी विशेषज्ञों ने सरकार से अपील की है कि हालात की गंभीरता को देखते हुए तुरंत पब्लिक हेल्थ इमरजेंसी घोषित की जाए, ताकि तेजी से संसाधन जुटाकर इस संकट को नियंत्रित किया जा सके।

निर्वाचन आयोग की मदद से बंगाल-असम में चुनाव चोरी किए, राहुल गांधी ने भाजपा पर लगाए आरोप

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल और असम में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने निर्वाचन आयोग की मदद से चुनाव की चोरी की है। उन्होंने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के इस दावे का समर्थन किया कि पश्चिम बंगाल में 100 सीट की लूट की गई है। गांधी ने एक्स पर लिखा, भाजपा द्वारा निर्वाचन आयोग के सहयोग से असम और बंगाल के चुनाव चोरी किए जाने के स्पष्ट मामले हैं। हम ममता जी से सहमत हैं। बंगाल में 100 से ज्यादा सीट चोरी हो गईं। गांधी ने कहा, हमने पहले भी यह तरकीब देखी है। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि मध्य प्रदेश, हरियाणा और महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव और पिछले लोकसभा चुनाव में यह देखने को मिला था। उन्होंने कहा, चुनाव चोरी, संस्था चोरी - अब और चारा ही क्या है!

केरल में यूडीएफ की बंपर जीत पर बोलीं प्रियंका गांधी, जनता का भरोसा हमारा मार्गदर्शन करेगा

नई दिल्ली। केरल चुनावों में कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ की शानदार जीत के बाद, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने सोमवार को राज्य की जनता को उनके जबरदस्त समर्थन के लिए धन्यवाद दिया और उनके लिए बेहतर भविष्य के निर्माण की दिशा में अथक प्रयास करने का संकल्प लिया। X पर एक पोस्ट में, गांधी ने कहा कि केरल में मेरे सभी भाइयों और बहनों, आपके विश्वास और अपार समर्थन के लिए धन्यवाद। आपने हम पर जो भरोसा जताया है, वह यूडीएफ के लिए मार्गदर्शक शक्ति होगा, क्योंकि हम आप सभी के लिए एक बेहतर भविष्य बनाने की दिशा में कड़ी मेहनत कर रहे हैं। प्रियंका गांधी ने आगे कहा कि मुझे पूरी उम्मीद है कि अगले पांच वर्षों के प्रत्येक दिन, ईमानदारी और विनम्रता के साथ आपके प्रति अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के हमारे प्रयास में, आपके प्रति हमारी कृतज्ञता स्पष्ट रूप से दिखाई देगी। वायनाड की सांसद ने कहा कि वायनाड में मेरे परिवार को, आपने भारी बहुमत से यूडीएफ पर अपना भरोसा फिर से कायम किया है। 7 में से 7 सीटें! अब आपके पास वायनाड के विकास के लिए मिलकर काम करने वाले 8

प्रतिनिधि हैं!

हम आपकी उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। गांधी ने अपने पोस्ट में लिखा कि यूडीएफ के उन कार्यकर्ताओं और नेताओं को, जिन्होंने एकजुट और प्रगतिशील केरल का हमारा संदेश हर घर तक पहुंचाने के लिए दिन-रात मेहनत की, मेरी हार्दिक बधाई, शुभकामनाएं और आपके अथक प्रयासों के लिए आभार। चुनाव आयोग की वेबसाइट के अनुसार, यूडीएफ 95 से अधिक निर्वाचन क्षेत्रों में आगे चल रहा था या जीत चुका था और 140 सदस्यीय विधानसभा में आराम से बहुमत हासिल करने की स्थिति में दिख रहा है। राज्य में एक दशक से अधिक समय से चल रहे एलडीएफ शासन के बाद यूडीएफ सरकार बनाने जा रहा है। वहीं, कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस केरलम की जनता को हार्दिक धन्यवाद देती है कि उन्होंने यूडीएफ को भारी बहुमत से सेवा का मौका दिया है। हमारी जिम्मेदारी हम पहचानते हैं और केरलम की जनता ने जो विश्वास हम में जताया है, हम उस पर खरा उतरेंगे। केरलम को छोड़ कर जो अन्य नतीजे आए हैं वो हमारी उम्मीदों से कम हैं। लेकिन हम ना निराश है ना हताश। हम विचारधारा की लड़ाई लड़ रहे हैं। एकतंत्र और झूठ के खिलाफ़ लोकतंत्र और सच की लड़ाई का रास्ता हमेशा लंबा और कठिन होता है। परंतु हम संकल्प और दृढ़ता से एकनिष्ठ हो कर आगे बढ़ते रहेंगे। जल्द ही हम नतीजों का गहराई से विश्लेषण करेंगे। ऑब्जर्वर्स को केरलम भेजने की प्रक्रिया आरम्भ हो चुकी है।